ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

REACHING NATIONS

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXVIII | JANUARY 2023 | No.02

पवित्र बाइबल!

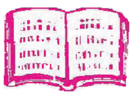

इन वचनों को याद करें परमेश्वर की स्तुति हो

मत्ती ५:११-१८

११ धन्य हो तुम, जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निन्दा करें, और सताएँ और झूठ बोल बोलकर तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की बुरी बात कहें।

१२ तब आनन्दित और मगन होना, क्योंकि तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा फल है। इसलिये कि उन्होंने उन भविष्यद्वक्ताओं को जो तुम से पहले थे इसी रीति से सताया था।

१३ तुम पृथ्वी के नमक हो; परन्तु यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए, तो वह फिर किस वस्तु से नमकीन किया जाएगा? फिर वह किसी काम का नहीं, केवल इसके कि बाहर फेंका जाए और मनुष्यों के पैरों तले रौंदा जाए।

१४ तुम जगत की ज्योति हो। जो नगर पहाड़ पर बसा हुआ है वह छिप नहीं सकता।

१५ और लोग दीया जलाकर पैमाने के नीचे नहीं परन्तु दीवट पर रखते हैं, तब उस से घर के सब लोगों को प्रकाश पहुँचता है।

१६ उसी प्रकार तुम्हारा उजियाला मनुष्यों के सामने ऐसा चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे पिता की, जो स्वर्ग में है, बड़ाई करें।

१७ यह न समझो, कि मैं व्यवस्था या भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों को लोप करने आया हूँ, लोप करने नहीं, परन्तु पूरा करने आया हूँ।

१८ क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूँ, कि जब तक आकाश और पृथ्वी टल न जाएँ, तब तक व्यवस्था से एक मात्रा या एक बिन्दु भी बिना पूरा हुए नहीं टलेगा।

नए वर्ष की आशीषें...

BLESSED NEW YEAR . . .2023

2023

डॉ. ए. रिचर्ड समुएल

"सब प्रकार की कड़वाहट, और प्रकोप और क्रोध, और कलह, और निन्दा, सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए। एक दूसरे पर कृपालु और करुणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो।" इफिसियों 4:31—32

जब भी हम नए वर्ष में प्रवेश करते हैं तो हम नए वर्ष के संकल्पों के बारे में विचार करते हैं। लेकिन दुख की बात है कि हम यह याद करने का प्रयास भी नहीं करते कि पिछले वर्ष हमने क्या संकल्प किए थे और उन्हें हमने कितना साकार किया। किसी ने मजाक में कहा था, "नए साल के संकल्प तोड़ने के लिए ही बनते हैं।"

नए वर्ष के संकल्पों को जिंदा रखना एक टीम वर्क होना चाहिए। यीशु द्वारा प्रशिक्षित शिष्यों ने उसी क्षण यीशु को छोड़ दिया, जब उसे क्रूस पर चढ़ाया गया। अपने पुनरुत्थान के बाद, यीशु ने अपने शिष्यों को गलील के पहाड़ पर इकट्ठा होने की आज्ञा दी। मत्ती २८:१६। उन्होंने आज्ञा का पालन किया लेकिन जब देर हुई, तो चेले अपने मूल काम - मछली पकड़ना - पर लौट आए। यूहन्ना २१:१-४। हम प्रेरितों के काम अध्याय २ में पढ़ते हैं कि पिन्तेकुस्त के दिन, परमेश्वर पवित्र आत्मा ने ऊपरी कोठरी में चेलों से भेंट की। चेलों को सामर्थ मिली और उनमें अद्भुत बदलाव आया। वे सुसमाचार के निर्भीक प्रचारक बन गए। जैसा कि हम नए वर्ष के संकल्पों के बारे में विचार करते हैं, हमें यह समझना है कि हम परमेश्वर की सहायता के बिना कुछ नहीं कर सकते, नए वर्ष के संकल्पों को पूरा करने के लिए भी नहीं। **यूहन्ना १५:५ कहता है : "मैं दाखलता हूँ : तुम डालियाँ**

पृष्ठ ३ में क्रमशः...

एको ऑफ हिज़ कॉल - यू ट्यूब चैनल! पास्टर सैम सेल्व राज के साथ प्रार्थना!!

हमारे सुसमाचार संदेश प्रतिदिन सुबह ५ बजे और रविवार के दिन भी सुबह ८:३० बजे **तमिल भाषा में** हमारे **यू ट्यूब चैनल एको ऑफ हिज़ कॉल** पर अपलोड किए जाते हैं। हम जल्द ही **अंग्रेजी और हिन्दी** में भी संदेशों को अपलोड करेंगे। कृपया हमारे लिए प्रार्थना करें और अपनी राय भेजें। **आप एको ऑफ हिज़ कॉल प्रार्थना सहभागी के रूप में इस तरह सुबह पा. सैम सेल्व राज के साथ व्यक्तिगत तौर पर प्रार्थना कर सकते हैं** - मेरी और क्रिस्टी चिन्निया, संचालक

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

REACHING NATIONS

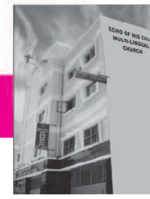

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

CHIEF EDITOR
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Dr. A. Richard Samuel, M.A., Ph.D.
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

CORE LEADERS
Bro. K. Puratchivendan
Bro. A. Edward Durai
Bro. A. Alvin
Bro. K. Abraham
Sis. Dhanalakshmi Chinnaiah

E.mail ID
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

...और तेरी आशा न टूटेगी (नीतिवचन २३:१८)

प्रभु में अत्यंत प्रियों,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के नाम में हम आपको नए वर्ष २०२३ की बधाई देते हैं। हम हमारे प्रभु परमेश्वर को सारी महिमा और आदर देते हैं जो इन वर्षों में हमारी अगुवाई कर रहा है!

आप कैसे हैं? हमारे हृदय में सच्चे बोझ के साथ, हम आपके लिए और आपकी ज़रूरतों के लिए प्रार्थना करते हैं। हम उन सभों के लिए व्यक्तिगत फाईलें और रजिस्टर रखते हैं जो व्यक्तिगत तौर पर हमारे साथ सम्पर्क में हैं, और प्रत्येक प्रार्थना सहभागी, विश्वास सहभागी, शुल्क भागीदार, जीवन भागीदार और महान आदेश के लिए प्रार्थना करते हैं। हमने आपके लिए और आपकी परिस्थितियों के लिए प्रार्थनाओं में अपने हृदय और प्राण को उण्डेलते हुए प्रार्थना करने की ज़िम्मेदारी स्वीकारी है। मैंने मेरे व्यक्तिगत कमरे में 'प्रार्थना पेन्सिल मैट!' नामक विशेष स्थान अलग रखा है और यह 'पेन्सिल प्रार्थना मैट' दिन के चौबीसों घण्टे प्रार्थना करने के लिए तत्पर है। हमारा प्रभु परमेश्वर प्रार्थनाओं को स्वीकार करेगा और आप सभों को आशीष देगा। किसी बात से न डरें। परमेश्वर हमारे साथ है। हम उन विपत्तियों और कठिनाईयों के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं जिनका सामना परमेश्वर के बच्चे करते हैं। इसलिए, हियाव बांधें। परमेश्वर इस नए वर्ष में बड़े कामों को करेगा। **"हे देश, तू मत डर; तू मगन हो और आनन्द कर, क्योंकि यहोवा ने बड़े बड़े काम किए हैं!"** योएल २:२१

हमने स्वतंत्र कलीसियाओं और सेवा संस्थाओं के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त की है। हम समझते हैं कि भारत में भविष्य की ऐसी सेवकाईयों के लिए मुश्किल परिस्थितियां उत्पन्न होने वाली हैं। इसलिए ऐसे सेवकों को सावधान रहना है और इन समयों में जो ज़रूरी है वह करना है।

यदि आप स्वतंत्र रूप से प्रभु की सेवकाई कर रहे हैं, और किसी सेवकाई के अधीन नहीं हैं, तो किसी मान्य आत्मिक संस्था के साथ अधिकृत तौर पर अपनी सेवकाई जोड़ दें। यदि आप पहले से किसी संस्था में थे, परंतु अगुवों के साथ मदभेदों की वजह से स्वतंत्र होकर कार्य कर रहे हैं, तो सारी गलतफहमियों को भूल जाएं और अपने रिश्तों को ठीक करें। अपने अगुवों के अधीन रहें और उन्हें सहयोग दें और संस्था में अपने स्थान को दृढ़ करें। इसके अलावा, कृपा करके किसी धर्म की परवाह न करते हुए अपने पड़ोसियों के साथ अच्छा रिश्ता रखें। आप क्रिसमस की ऋतु में कोई भेंट जैसे केक, फल लेकर अपने पड़ोसी से भेंट करें और उनके प्रति अपने प्रेम को जताएं। कृपा करके यह सलाह लें और इस मामले में लापरवाह न रहें।

भविष्य में, आपकी सेवकाई के लिए परमेश्वर के मार्गदर्शन और मनुष्यों के अनुग्रह की ज़रूरत पड़ेगी। **"देखो, मैं तुम्हें भेड़ों के समान भेड़ियों के बीच में भेजता हूँ, इसलिये साँपों के समान बुद्धिमान और कबूतरों के समान भोले बनो।"** मत्ती १०:१६ हमारे पास कुछ कुशल वकील, अकाउंटंट और बाइबल विद्वान हैं जो सेवा की भावना के साथ आपकी सहायता के लिए तैयार हैं।

यदि आप पूर्णकालिन परमेश्वर के सेवक हैं लेकिन आपके पास ईश्वरविज्ञान की कोई पदवी नहीं है। परंतु विश्वास के साथ प्रभु की सेवा कर रहे हैं, क्योंकि परमेश्वर ने आपको उसकी सेवा करने के लिए बुलाया है, तो आपको किसी बाइबल कॉलेज के साथ नियमित विद्यार्थी के रूप में पंजीयन कराना होगा या किसी डिस्टंट एज्यूकेशन सिस्टिम में या कम से कम ऑन लाईन सिस्टिम के द्वारा ईश्वरविज्ञान का अध्ययन करें और प्रमाणपत्र हासिल करें। यदि आपके पास ईश्वरविज्ञान का या सेवकाई का कोई

ऑर्डिनेशन प्रमाणपत्र नहीं है, तो तुरंत प्राप्त करने की कोशिश करें। सेवकाई का ऑर्डिनेशन प्रमाणपत्र आपकी बहुत सहायता करेगा। इसके लिए आपको पैसे खर्च करने की ज़रूरत नहीं है। हम सब एक साथ मिलकर काम करेंगे। **देखो, यह क्या ही भली और मनोहर बात है कि भाई लोग आपस में मिले रहें!** भजन १३३:१

यदि इस मामले में आपको किसी सहायता की ज़रूरत है, तो आप पत्र या ई-मेल के माध्यम से हमसे सम्पर्क कर सकते हैं। हम आपकी जितनी हो सके सहायता करेंगे। हम एक साथ आएं! हम विजयी हों!!

यदि परमेश्वर की इच्छा रही, तो हम विभिन्न स्थानों में यात्रा करते हुए सुसमाचार प्रचार, बपतिस्मा और सेवकाई के लिए ऑर्डिनेशन के द्वारा परमेश्वर के सेवकों को मज़बूती देना चाहते हैं। कृपया हमारे लिए अब से प्रार्थना करना शुरू करें कि हमें अच्छा स्वास्थ्य, अनुकूल पारिवारिक स्थिति और मज़बूत आर्थिक सहायता प्राप्त हो।

हम प्रतिदिन सुबह ५ बजे और रविवार के सुबह ८:३० बजे **एको ऑफ हिज़ कॉल** नामक यू-टयूब चैनल पर अपने संदेश प्रसारित करते हैं। आप उन्हें देख सकते हैं और सूचना पाने के लिए सब्स्क्राईब करें।

मीडिया सेवकाई

हमारी सेवकाई के पास स्थायी आर्थिक सहायता नहीं है। हमारा प्रभु यीशु हमारा प्रयोजन कर्ता है। आप प्रभु जैसे अगुवाई करता है उसके अनुसार हमारी

सेवकाई की सहायता करने के लिए आगे आ सकते हैं।

प्रभु जिसने हमारे हाथों को थाम रखा है और पिछले ५४ वर्षों से हमारी अगवाई कर रहा है आपके को भी बहुतायत की आशीष देगा! आमेन!

मसीह यीशु में आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज और एलेक्स सैमसन सैम

(+91) 98412 71858 / 98410 71858,
E.mail : samselvaraj333@gmail.com

पृष्ठ 1 से आगे:...

हो। जो मुझ में बना रहता है और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि *मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।"* तो आइए हम नए वर्ष २०२३ में इस विश्वास के साथ प्रवेश करें कि हम परमेश्वर के साथ भागीदारी किए बिना कुछ नहीं कर सकते, लेकिन परमेश्वर के साथ सब कुछ संभव है।

हम में से कई लोगों ने रेलवे स्टेशनों और प्रमुख बस स्टैंडों पर "कम सामान, अधिक आराम, यात्रा को सुखद बनाता है" साइनबोर्ड देखा होगा। न केवल हमारी सांसारिक यात्रा में, बल्कि हमारी जीवन यात्रा में भी, यह कथन सही साबित होता है। कई बार हम जो अतिरिक्त सामान ढोते हैं, वह न केवल हमारे लिए बल्कि दूसरों के लिए भी हमारे जीवन को दयनीय बना देता है। बहुत से लोग वर्षों की गलतियों, चोट, दर्द, बुरे चुनाव, क्रोध, कड़वाहट, हताशा, असफलता और इस तरह के भारी बोझ को ढोते हुए घूमते हैं। ये हमारे वर्तमान और भविष्य के रिश्तों में फैल सकते हैं और अनुषांगिक हानि पैदा कर सकते हैं। यीशु में, हमारी पिछली गलतियों के लिए कोई पंड की आज्ञा नहीं है क्योंकि हम अनंत अनुग्रह से ढके हुए हैं। अब समय आ गया है कि हम अपने द्वारा ढोए जा रहे सभी बेकार के वजन को खोल दें और आज़ाद रहना सीख लें। यह अनावश्यक बोझ हमारी जीवन यात्रा को दुष्कर और बोझिल बना देता है।

हमारे प्रभु परमेश्वर के पास हम में से प्रत्येक के लिए एक योजना है। उसकी योजनाएं हानि की नहीं, वरन् कुशल ही की हैं, और अन्त में वह हमें आशा और भविष्य देगा **(एनआईवी) यिर्मयाह २९:११।** हम परमेश्वर की इच्छा और हमारे लिए उनकी योजनाओं को समझते हुए अपनी आत्मिक यात्रा शुरू करते हैं। यह हमारी यात्रा को दिशा देता है और हमें ध्यान बनाए रखने में मदद करता है।

प्रेरित पौलुस ने इफिसुस की कलीसिया को लिखे हुए पत्र में अनचाहे सामान का हूबहू वर्णन किया है जो हमारी यात्रा में रूकावट लाता है। **"सब प्रकार की कड़वाहट, और प्रकोप और क्रोध, और कलह, और निन्दा, सब बैरभाव समेत तुम से दूर की जाए। एक दूसरे पर कृपालु और करुणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो"** इफिसियों ४:३१,३२। इसके अलावा, पौलुस सुझाव देता है कि हम अपनी यात्रा में केवल आवश्यक सामान ले जाएं और वह हमारी यात्रा को आसान और मनभावना बनाएगा, वैसे ही हमारे साथी यात्रियों के लिए भी।

पौलुस ६ अनचाहे सामानों की सूची तैयार करता है जो हम अपने साथ लेकर चलते हैं :

१. कड़वाहट,
२. प्रकोप
३. क्रोध
४. कलह
५. निंदा
६. बैरभाव

और सहायक, उपयोगी, तथा आवश्यक सामान जो हमें अपने साथ ले चलना है वह है :

१. कृपालुता
२. करूणा
३. क्षमा करने वाला स्वभाव

१. कड़वाहट

कड़वाहट ऐसी भावना है जिससे छुटकारा पाना मुश्किल है। यह आत्मा उन लोगों के साथ मेल नहीं करने देती जिन्होंने हमें चोट पहुंचाई है। हम इस भावना को बहुतायत से बढ़ावा देते हैं और हमेशा मज़बूत बनाए रखते हैं, अपमान और घावों पर मनन करते हुए जो हमने पाए हैं। यह एक कैंसर

है जो फैलता है और हमारी खुशी तथा शांति को नष्ट कर देता है। यह अतिरिक्त सामान हमारी यात्रा को अत्याधिक बोझिल बना देता है।

२. प्रकोप

बार्कले ने अपनी टीका में कहा है कि यह एक प्रकार गुस्सा है जो घास-फूंस की तरह जलता है, उसकी ज्वाला तुरंत ऊपर उठती है। हम "आगबबूला होना" इस कहावत का अक्सर इस्तेमाल करते हैं। यह बुरा स्वभाव अक्सर चीखने और चिल्लाने को प्रदर्शित करता है। जब व्यक्ति सोचता है कि उसके साथ गलत हुआ है तब वह क्रोध से भड़क उठता है।

मसीही व्यक्ति इस प्रकोप के लिए अपवाद नहीं हैं। ऐसा प्रतीत होता है एक बार जॉन रविवार की सुबह गाड़ी चलाकर घर जा रहा था। सड़क पर काफी यातायात थी। उस समय जॉन की कार के पीछे से आने वाली दूसरी कार लगातार ऊंची आवाज़ में हॉर्न बजा रही थी और वह जॉन की गाड़ी को ओवरटेक करना चाहते थे। जॉन उसे जगह नहीं दे सकता था ताकि पीछे से आने वाले को ओवरटेक करने के लिए जगह दे सके। और ऐसा करते समय पीछे वाले ने अपनी गाड़ी थोड़ी धीमी कर दी और जॉन को गाली देने लगा। जॉन को बुरा लगा लेकिन उसने अपने गुस्से को रोके रखा। चर्च में आने के बाद जॉन ने पाया कि वही कार चर्च कम्पाऊंड में खड़ी की गई है। और यह देखकर उसे और भी ज्यादा आश्चर्य हुआ कि जो व्यक्ति कार चला रहा था वह नया पास्टर था जो उस मण्डली का चार्ज ले रहा था। उस नए पास्टर के हालात की कल्पना करें जब कलीसिया की आराधना के बाद जॉन उससे मिला। अपनी मसीही गहावियों को बनाए रखने के लिए मसीही विश्वासियों को इस तरह के गुस्से पर काबू पाना चाहिए।

३. क्रोध

क्रोध को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है - अ) धार्मिक क्रोध और ब) अधर्मी क्रोध। यीशु ने अपने पिता के मंदिर को "**डाकुओं की खोह**" में बदलते देखा, तो उसने अपना क्रोध प्रकट किया। मत्ती २१:१३। उसने कोड़ा लेकर सभी व्यापारियों को खदेड़ दिया। इसके विपरीत हम मनुष्यों के लिए धार्मिक क्रोध का पालन करना कठिन है क्योंकि हमारी भावनाएं पाप से दूषित हैं। बाइबल के अनुसार हमें अपना क्रोध 'पाप' के खिलाफ दिखाना चाहिए - **"हे यहोवा के प्रेमियो, बुराई से घृणा करो"** भजन ९७:१०। **"क्रोध तो करो, पर पाप मत करो"** भजन संहिता ४:४। पौलुस शब्दशः इफिसियों ४:२६ में उन्हीं शब्दों को उद्धृत करता है। इसके साथ ही पौलुस एक चेतावनी भी देता है - **"क्रोध तो करो, पर पाप मत करो; सूर्य अस्त होने तक तुम्हारा क्रोध न रहे, और न शैतान को अवसर दो"** इफिसियों ४:२६-२७।

यदि हम बुद्धिमान हैं, तो हम याकूब १:१९,२० को याद करते हुए क्रोध में धीमे होंगे, **"क्योंकि मनुष्य का क्रोध परमेश्वर के धर्म का निर्वाह नहीं कर सकता।"** इसलिए पौलुस इस अवांछित और भारी सामान से छुटकारा पाने के लिए तीन सुझाव देता है। पहले "पाप मत करो"। एक प्रश्न जो हमारे मन में उठता है कि धर्मी क्रोध कैसे दिखाया जाए और फिर भी पाप न हो? जॉन स्टॉट ने अपनी बीएसटी श्रृंखला द मेसेज ऑफ इफिशियंस में इसका उत्तर दिया है, "हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा क्रोध आहत अभिमान, द्वेष, नफरत, बैरभाव और बदले की भावना से मुक्त हो। दूसरा सूर्यास्त से पहले हमें अपने क्रोध से छुटकारा पाना होगा। इसका अर्थ यह है कि हमें अपने क्रोध को जगह नहीं देना चाहिए और उसे कई दिनों तक जीवित नहीं रखना चाहिए। तीसरा, हमें शैतान को अपने जीवन में पैर जमाने के लिए कोई स्थान नहीं देना है। हमें कभी भी शैतान को हमारे क्रोध का फायदा उठाने के लिए उसे घृणा या हिंसा या संगति दरार लाने के लिए उकसाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। फिर भी इस भारी सामान से छुटकारा पाने का एक और सुझाव बुद्धिमान राजा सुलैमान द्वारा दिया गया है। कोमल उत्तर सुनने से जलजलाहट ठण्डी होती है, परन्तु कटु वचन से क्रोध धधकता है : **"कोमल उत्तर सुनने से गुस्सा ठण्डा हो जाता है, परन्तु कटुवचन से क्रोध भड़क उठता है"** नीतिवचन १५:१। इसलिए हमें अपनी सुगम यात्रा के लिए भारी वजन, क्रोध को बाहर निकालना चाहिए।

४. कलह

कलह एक उग्र, शोरगुल वाले और अनियंत्रित तरीके से लड़ाई या झगड़ा है। कई बार हम देखते हैं, विशेष रूप से पादरी समिति के सदस्य चर्च के अंदर झगड़ा करके कलीसिया को बदनाम करते हैं। क्या हमने पासबानीय समिति के चुनाव के दौरान इस झगड़े को रोकने के लिए पुलिस के हस्तक्षेप के बारे में नहीं सुना? पौलुस की

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

नहेम्याह बाइबल कॉलेज

RESIDENTIAL / EVENING COLLEGE

Velachery, Chepauk & Santhoshapuram, Chennai.

Regd. Candidate for Membership ATA NEHEMIAH BIBLE COLLEGE CHENNAI ECHO OF HIS CALL Estd. 1969

माध्यमः हिन्दी / तमिल

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल

डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल

योग्यता 10 वी या अधिक

जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.

Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858

E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES SINCE 1969

महान आदेश के भागी

✲ भार उठना (गलातियों ६:२), ✲ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ✲ चमकना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ जनवरी २०२३ से १८ फरवरी २०२३ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

१६ जनवरी : हमारे मुख्य चर्च और शाखा चर्चों में क्रिसमस और नए साल का उत्सव शानदार तरीके से आयोजित करने हेतु हमें सक्षम बनाया।

२० जनवरी : हमारे सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेमायाह बाइबल कॉलेज और थियोलॉजिकल पाठ्यक्रम की सभी गतिविधियों के लिए।

२१ जनवरी : हमारी मुख्य कलीसिया में पुरुषों की सभा पर उसकी आशीष के लिए।

२२ जनवरी : हमें अपनी पत्रिका को १६ भाषाओं में हमारे सुसमाचार छापखाने में छापने और प्रकाशित करने और मिशन क्षेत्रों में भेजने में सक्षम बनाने के लिए।

२३ जनवरी : पिछले महीने की हमारी सभी आर्थिक और आत्मिक ज़रूरतों को पूरा करने के लिए।

२४ जनवरी : हमारे एस सैम सेल्वा राज और उनके परिवार पर बहुतायत की आशीष के लिए।

२५ जनवरी : नियमित रूप से ईश्वरविज्ञान सेमिनार आयोजित करने में हमें सक्षम बनाने के लिए।

२६ जनवरी : हमारे प्रार्थना सहभागियों, शुल्क सहभागियों, विश्वास के सहभागियों, आजीवन प्रतिभागियों, महान आदेश प्रतिभागियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए।

२७ जनवरी : हमारे आवासीय नहेमायाह बाइबल कॉलेज के छात्रों के लिए संगीत की कक्षाएं आयोजित करने के लिए।

२८ जनवरी : हमारे चर्च को नए विश्वासियों के साथ आशीषित करने के लिए..

२९ जनवरी : हमारी संस्था को नए कर्मचारियों के साथ आशीष देने के लिए।

३० जनवरी : हमारे विलेज हाई स्कूल (सेंट पौल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल) के गरीब छात्रों के लिए संगीत की कक्षाओं (की-बोर्ड और गिटार) का आयोजन।

३१ जनवरी : हमारे सहयोगी संपादक और उनके सहयोग के लिए।

०१ फरवरी : शाम को खेलने के लिए हमारे आवासीय नहेमायाह बाइबल कॉलेज के छात्रों के लिए कैरम बोर्ड और शतरंज बोर्ड खरीदने में हमें सक्षम बनाने के लिए।

०२ फरवरी : हमारे मुख्य चर्च और शाखा चर्च और उनके विश्वासियों के लिए।

०३ फरवरी : हमारी अस्पताल सेवा में परमेश्वर के आश्चर्यकर्मों के लिए।

प्रार्थना विषय

फरवरी ०४ : सभी मसीही संस्थाओं और चर्चों पर आशीष और सुरक्षा के लिए।

०५ फरवरी : पूरे विश्व में शांति के लिए।

०६ फरवरी : महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा से परमेश्वर द्वारा सुरक्षा।

०७ फरवरी : इस महीने **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** के लिए आवश्यक धन उपलब्ध कराने हेतु।

०८ फरवरी : **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** के सभी कर्मचारियों का स्वास्थ्य अच्छा रहे।

०९ फरवरी : हमारे देश की एकता और सभी पहलुओं में प्रगति।

१० फरवरी : हमारे सहयोगी संपादक और उनके परिवार के सदस्य।

११ फरवरी : हमारे वरिष्ठ पासबान को उनकी आत्मकथा लिखने की अनुमति देने और उनका मार्गदर्शन करने में परमेश्वर के अनुग्रह के लिए।

१२ फरवरी : इस महीने में हमारी सभी ज़रूरतों को पूरा करने हेतु।

१३ फरवरी : पृथ्वी पर उसके राज्य का निर्माण करने के लिए हमें केंद्रित दर्शन देने के लिए।

१४ फरवरी : हमें भारत के अनपहुंचे समूहों तक पहुंचने में सक्षम बनाने के लिए।

१५ फरवरी : हमारी संस्था, सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों पर आशीष के लिए।

१६ फरवरी : **एको ऑफ हिज़ कॉल** की युवा और आउटरीच सेवकाई।

१७ फरवरी : हमारे वरिष्ठ पादरी एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के अच्छे स्वास्थ्य लिए।

१८ फरवरी : हर शराबी और बुराई करने वाले से मिलना ताकि वह पश्चाताप करे ।

पृष्ठ 4 से आगे...

तीमुथियुस को लिखी पहली पत्री में अध्यक्ष के गुणों में से एक गुण यह है कि वह "पियक्कड़ या मारपीट करनेवाला न हो; वरन् कोमल हो, और न झगड़ालु, और न धन का लोभी हो।" (अमेरिकी मानक संस्करण)। बुद्धिमान राजा सुलैमान **"लम्बे-चौड़े घर में झगड़ालू पत्नी के संग रहने से छत के कोने पर रहना"** रहना पसन्द करता है। नीतिवचन २१:६।

५. निंदा

निन्दा दूसरों के बारे में बुरा बोलना है, खासकर उनकी पीठ पीछे। यह बात न केवल उनकी बल्कि हमारी भी प्रतिष्ठा को नष्ट करती है। गिनती १२:१ में एक कूशी स्त्री से विवाह करने के लिए मरियम और हारून द्वारा मूसा की निन्दा करने की कहानी बताई गई है। **"उनकी यह बात यहोवा ने सुनी"** गिनती १२:२। यहोवा का कोप भड़क उठा और उसने मरियम और हारून से कहा, **"तुम मेरे दास मूसा की निन्दा करते हुए क्यों नहीं डरे?"** गिनती १२:८। तुरन्त परमेश्वर का कोप उन पर भड़क उठा, और मरियम कोढ़ से पीड़ित हो गई। हमारे मुंह से निकलने वाले हर शब्द के लिए हम जवाबदेह हैं। **"इसलिये जो कुछ तुम ने अन्धेरे में कहा है, वह उजाले में सुना जाएगा; और जो तुम ने कोठरियों में कानों कान कहा है, वह छत पर से प्रचार किया जाएगा"** हमारे प्रभु यीशु ने चेतावनी दी। लूका १२:३। यही कारण है कि याकूब अध्याय ३ में जीभ को वश में रखने के बारे में एक लंबा उपदेश देता है। निन्दा एक खतरनाक अवांछित बोझ है। इसे फेंक दो।

६. बैरभाव

बैरभाव दुर्भावना है, यह इच्छा रखना और शायद लोगों के खिलाफ बुराई की साजिश रचना। बैरभाव के लिए बाइबल में सबसे उपयुक्त उदाहरण उत्पत्ति अध्याय ३७ में पाया जाता है। यूसुफ के भाई यूसुफ के खिलाफ बुराई की साजिश रचते हैं। **"आओ, हम उसको घात करके किसी गड़हे में डाल दें; और यह कह देंगे कि कोई बनैला पशु उसको खा गया। फिर हम देखेंगे कि उसके स्वप्नों का क्या फल होगा"** उत्पत्ति ३७:२०। परंतु परमेश्वर की इच्छा भिन्न थी और रूबेन ने यूसुफ की जान बचाई। बाद में परमेश्वर ने यूसुफ को मिस्र में सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया और उसके भाइयों ने आकर यूसुफ के सामने दण्डवत् किया। उसी प्रकार हामान ने मोर्दकै के खिलाफ षड़यन्त्र रचा और पचहत्तर फुट ऊंचा फांसी का खम्भा बनवाया। एस्तेर ५:१४। लेकिन, विडंबना यह है कि यह साजिश रचने वाले हामान के खिलाफ हो गया, उसे उसी फांसी पर लटका दिया गया। एस्तेर ७:६

छः अवांछित सामानों को समझने के बाद जो हमारी सुगम यात्रा में बाधक होते हैं, हमें यह पता लगाना होगा कि इन बाधक सामानों को कैसे फेंका जाए।

हमें जो पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाना है, वह है एक ईमानदार व्यक्ति की खोज करना और यह पता लगाना कि हम अपने साथ कौन-सा अतिरिक्त सामान ले जा रहे हैं – कड़वाहट, प्रकोप, क्रोध, कलह, निन्दा या बैरभाव। उसके बाद हमें उस प्रक्रिया को प्रार्थना में प्रभु के पास लाना होगा और उनसे अतिरिक्त वजन को हटाने में हमारी मदद करने के लिए कहना होगा। इसके अलावा हम इसे अपने मार्गदर्शक या प्रार्थना करने वाले साथी के पास भी ले जा सकते हैं, जिस पर हम भरोसा कर सकते हैं। सलाहकार या विश्वसनीय मित्र हमें परेशानी के किसी भी स्पष्ट क्षेत्रों या अंधेरे बिंदुओं की पहचान करने में मदद कर सकते हैं जिन्हें हमने खो दिया था।

दूसरा कदम इससे छुटकारा पाना है ... इसे जाने देना है। इन भावनाओं से छुटकारा पाना बहुत मुश्किल होता है; हम अपनी ताकत और कोशिशों का इस्तेमाल नहीं कर सकते, क्योंकि दो विरोधी ताकतें हमारे भीतर हमेशा काम कर रही हैं। एक 'अच्छा' और दूसरा 'बुरा'। इस स्थिति में पौलुस पुकारता है : **"मैं कैसा अभागा मनुष्य हूँ! मुझे इस मृत्यु की देह से कौन छुड़ाएगा?"** रोमियों ७:२४। और पौलुस पाता है कि उत्तर परमेश्वर में है, बड़ी राहत के साथ वह कहता है : **"हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद हो"** रोमियों ७:२५।

अतिरिक्त सामान से छुटकारा पाने के लिए हमें सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सामर्थ की आवश्यकता है। हमारे प्रभु ने हमारी सहायता करने के लिए हमें एक सहायक और सांत्वना देने वाला दिया है। यीशु, परमेश्वर पुत्र हमारे लिए मध्यस्थता करता है, परमेश्वर पवित्र आत्मा हमारे मुंह में उपयुक्त शब्द डालता है जब हम शब्दों के लिए संघर्ष करते हैं और परमेश्वर पिता हमारी प्रार्थनाओं को सुनता है और उत्तर देता है। इस भरोसे के साथ हम अनुग्रह के सिंहासन के निकट जा सकते हैं और वह हमें छुटकारा दिलाएगा। यीशु मसीह ने हमें प्रार्थना करना सिखाया है : "हमें बुराई से छुड़ाइए।" हमें अपने जीवन से इन अतिरिक्त भारों से छुटकारा पाने के लिए परमेश्वर से मदद मांगनी चाहिए।

तीसरा कदम है अपनी आत्माओं को प्रतिऔषधी खिलाना। किसी भी विष के लिए एक मारक होता है। **पौलुस उसी संदर्भ में सुझाव देता है, इफिसियों ४:३२ "एक दूसरे पर कृपालु और करुणामय हो, और जैसे परमेश्वर ने मसीह में तुम्हारे अपराध क्षमा किए, वैसे ही तुम भी एक दूसरे के अपराध क्षमा करो।"**

सहायक उपयोगी और आवश्यक सामान जो हमें ले जाने चाहिए वे हैं :

१. कृपालुता

दयालुता एक गुण है और यह उन आवश्यक गुणों में से एक है जो हमारे पास होने चाहिए। यह लोगों को दिखाता है कि हम दूसरों की परवाह करते हैं और परिणामस्वरूप यह दूसरों के दर्द को दूर कर देता है। "दयालु" होने का अर्थ किसी ऐसे व्यक्ति के प्रति परोपकारी या सद्भावनापूर्ण होना है जिसे हमारी सहायता की आवश्यकता है। दयालुता एक ताकतवर व्यक्ति का रवैया है जो सापेक्ष कमजोरी की स्थिति में किसी के लिए कुछ अच्छा करता है। दया देने का रवैया है, और हम जानबूझकर देना चुनते हैं और हमारे पास देने के लिए बहुत कुछ है! मसीह की मृत्यु और

पुनरुत्थान के माध्यम से, हमारे पास बहुतायत का जीवन, उद्धार, स्वतंत्रता और "परमेश्वर का अनुग्रह बहुतायत से" है। जबकि हम अपने आप में कमजोर महसूस कर सकते हैं, हम मसीह में बलवान हैं। यह हमें दूसरों के प्रति दयालु होने में सक्षम बनाता है। और इसका मतलब है कि हम उन्हें माफ कर सकते हैं। क्षमा करना कमजोरी का प्रदर्शन नहीं है। यह दया और बल का प्रदर्शन है।

२. करूणा

करुणा का शाब्दिक अर्थ है "एक साथ दुख उठाना"। इसे उस भावना के रूप में परिभाषित किया जाता है जो तब उत्पन्न होती है जब हम दूसरे के दुख का सामना करते हैं और उस पीड़ा को दूर करने के लिए प्रेरित महसूस करते हैं और उस व्यक्ति के जल्द चंगा होने की इच्छा रखते हैं। करुणा तब होती है जब हम किसी की स्थिति से जुड़ जाते हैं, और हम उसकी मदद करना चाहते हैं। हम किसी को मुसीबत में देखते हैं और हम उसमें सहभागी होना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, जब हम बस में यात्रा कर रहे होते हैं, तो हम एक गर्भवती महिला को देखते हैं। हम तुरंत उठें और उन्हें बैठने के लिए जगह दें। वह करुणा है। एक दिन में हमारे द्वारा चुना गया प्रत्येक छोटा कार्य नकारात्मक भावनाओं को संतुलित करने में मदद कर सकता है। यह पहले के सामान के लिए सबसे अच्छे एंटीडोट्स में से एक है जो हम पर भारी पड़ता है और हमारी जीवन यात्रा के लिए स्पीड ब्रेकर डालता है।

यीशु बिना चरवाहे की भीड़ को देखता है। मार्क ६:३४। करुणा यीशु के हृदय को अभिभूत कर देती है। वह न केवल उनकी आत्मिक भूख मिटाता है बल्कि उनकी शारीरिक भूख भी दूर करता है। मरकुस ६:३७-४४। जब अब्राहम को पता चलता है कि परमेश्वर सदोम का नाश करने वाला है, तो वह सदोम के धर्मी लोगों के लिए करुणा से भर जाता है और परमेश्वर से याचना करने लगता है। अब्राहम शहर को बचाने के लिए बिनती करने लगता है, यदि सदोम में ५० धर्मी हैं। परमेश्वर सहमत है कि यदि सदोम में ५० धर्मी लोग हैं तो वह उसे नाश नहीं करेगा। परंतु अब्राहम ने परमेश्वर से अपनी विनती जारी रखी। अब्राहम जानता है कि ५० धर्मी लोग सदोम में नहीं हैं। तो संख्या घटती-बढ़ती है - ४५, ४०, ३५, ३० से १० तक। यह करुणा है।

३. क्षमा करने वाला स्वभाव

दया और करुणा स्वाभाविक रूप से हमें दूसरों को क्षमा करने की ओर ले जाती है। क्षमा हमारे सभी रिश्तों का आधार है। क्षमा की भावना एक मसीही विश्वासी का एक अनिवार्य पहलू होना चाहिए, क्योंकि विश्वासी क्षमा पाए हुए लोग हैं। हमें क्षमा करना चाहिए क्योंकि परमेश्वर ने हमें क्षमा की है। जब लोग हमें ठेस पहुंचाते हैं तो कड़वाहट, प्रकोप, क्रोध, कलह, निन्दा और बैरभाव ऐसे तरीके हैं जिनसे हम लोगों के हानिकारक व्यवहार के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। इन पर हमारी प्रतिक्रिया विनाशकारी व्यवहार या विनाशकारी भाषण के रूप में सामने आती है। उस समय हम नहीं समझते कि ये तात्कालिक प्रतिक्रियाएं हमारे रिश्तों को नष्ट कर देती हैं। जिन लोगों ने हमें चोट पहुंचाई है उन्हें क्षमा करना ही एकमात्र तरीका है जिससे हम अपने टूटे या तनावपूर्ण रिश्तों को बहाल कर सकते हैं। इसलिए हम जो पूरा परिच्छेद पढ़ रहे हैं, उसे एक शब्द में समेटा जा सकता है - **क्षमा।**

पौलुस कहता है कि हमें क्षमा करना चाहिए क्योंकि परमेश्वर ने हमारे पापों की क्षमा की है। उसने हमें छुड़ाया है और हमें क्षमा की है। इफिसियों १:७. यह क्षमा परमेश्वर के साथ हमारे संबंध का केंद्र है। परमेश्वर ने हमारे पापों को मिटा दिया है, अपना क्रोध हम पर से हटा दिया है, और हमें मृत्यु से जीवन में जिला दिया है। वह हमारे लिए अविश्वसनीय रूप से दयालु और करूणामय रहा है। और अब हम मसीह के द्वारा एक सुरक्षित और महिमामय भविष्य का सामना करते हैं। क्योंकि परमेश्वर ने हमें क्षमा कर दी है, हमारे पास एक कारण है - और ताकत - दूसरों को क्षमा करने की। जैसे परमेश्वर ने हमारे पापों को मिटा दिया है और हमें मसीह के द्वारा पवित्र और निष्कलंक के रूप में देखा है, हमें भी दूसरों के साथ वैसा ही करने की कोशिश करनी चाहिए : हमारे अन्याय के खातों से दूसरों के पापों को मिटाने के लिए। पौलुस हमें 'परमेश्वर का अनुकरण करने' और 'प्रेम का जीवन' जीने का आग्रह करता है, "जैसे मसीह ने भी तुम से प्रेम किया, और हमारे लिये अपने आप को सुखदायक सुगन्ध के लिये परमेश्वर के आगे भेंट करके बलिदान कर दिया" इफिसियों ५:१,२ अपने जीवन में परमेश्वर का अनुकरण करने के लिए हमें क्षमा की आत्मा को अपनाना होगा।

क्षमा न करने वाला स्वभाव हमारी यात्रा को बहुत बोझिल बना देता है। यह हमें नीचे खींचता है और शायद ही कभी हमें आगे बढ़ने देता है। क्षमा मूलभूत मसीही सद्‌गुणों में से एक है। हमारे पापों के लिए क्षमा प्राप्त करने और पाप के स्वाभाविक परिणामों से राहत प्राप्त करने के बाद अब हम दूसरे के पापों और हमारे प्रति दुराग्रहों को क्षमा करने के लिए बाध्य हैं। यदि हम क्षमा नहीं करते हैं तो हमें स्वयं को विश्वासी घोषित करने का कोई अधिकार नहीं है। मत्ती ६:१४, १५ में यीशु मसीह ने हमें क्षमा करना सिखाया है, **"इसलिये यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा करोगे, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा**

पृष्ठ 9 में क्रमशः...

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	:	**ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST**
Account Number	:	**1023 2923 805**
Bank Name	:	**STATE BANK OF INDIA**
Branch	:	**TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005**
IFSC Code	:	**SBIN 0000249**
SWIFT Code	:	**SBI NIN BB 455**

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

वह मेरे जीवन को बदल देता है!

वह कंगाल को मिट्टी पर से, और दरिद्र को घूरे पर से उठाकर ऊँचा करता है, - भजन ११३:७

उस समय के दौरान, मेरे नियमित नौकरी के घंटों के अलावा, मैं मुफ्त ट्रैक्ट वितरित करताथा, व्यक्तिगत सुसमाचार प्रचार कर रहा था और छोटे से तरीके से सुसमाचार सभाओं का संचालन कर रहा था लेकिन परमेश्वर ने इसे प्रभावी ढंग से करने में मेरी मदद की।

मेरे प्यारे दोस्तों, भाई डी.डब्ल्यू. देवकांत और भाई आर ई जयराज जो मेरे साथ काम करते थे, १९७१ में एक बार मेरे पास आए और उन्होंने मुझसे पूछा, "आप इस कार्यालय में एक अद्वितीय व्यक्ति प्रतीत होते हैं! मुझे आपमें कुछ बहुत खास नज़र आता है !! क्या कारण है? क्या आप मसीही हैं?" मैंने जवाब दिया, "जी हां! मैं परमेश्वर की सन्तान हूं जिसे उस सर्वशक्तिमान प्रभु यीशु मसीह ने बचाया है जिसने स्वर्ग और पृथ्वी की रचना की है।" उन्होंने फिर कहा, "तुम बुद्धिमान लड़के हो! क्या आप अभी भी उद्धार के अनुभव में हैं?" मैने हां कह दिया। उन्होंने मुझे गले से लगाया और मुझसे पूछा कि क्या मैं भाई डी.डब्ल्यू. देवकांत के साथ उस रविवार सुबह अपने पादरी से मिलने के लिए जा सकता हूं। मैंने उनके साथ जाना स्वीकार कर लिया। तो भाई डी.डब्ल्यू. देवकांत ने मुझे अपनी साइकिल के पीछे बिठाया और दिसंबर १९७१ के महीने में मुझे एपोस्टोलिक क्रिश्चियन असेंबली के माननीय मुख्य पादरी, पादरी जी सुंदरम और सहायक पादरी एम.के. सैम सुंदरम के पास ले गए।

Bro. D.W. Devakanthan

मुख्य पादरी जी सुंदरम से मेरी जो बातचीत हुई, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका सुंदर रूप, मुस्कान और चिंता और जिम्मेदारी के उनके शब्द मुझे अपने पिता के साथ मेरे रिश्ते की याद दिलाते हैं। तो मैंने उससे कहा, "मैं भी तुम्हारी तरह बदल जाना चाहता हूं!"। उन्होंने मुझे गले भी लगाया और मुझे चूमा और कहा, "आपको उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है और एक कठिन जीवन से गुज़रना पड़ सकता है।" मैंने जवाब दिया, "मैं पूरे दिल से करूँगा।" उस दिन से मैं उनकी कलीसिया का एक मजबूत सदस्य बन गया और मुझे सेवा दल में भी शामिल कर लिया गया। उन्होंने चर्च में जो संदेश दिए उन्होंने और उनकी गतिविधियों ने मुझे बहुत आकर्षित किया।

Chief Pastor G. Sundaram

Assistant Pastor M.K. Sam Sundaram

मैं सहायक पादरी एम.के. सैम सुंदरम के साथ भी था और सेवकाई में सरल तरीकों से इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने मुझे पढ़ाया भी और मेरा पालन-पोषण भी किया।

मेरा परिचय उस चर्च के परमेश्वर के सेवकों जैसे से हुआ, जैसे भाई विक्टर स्वामीदास (रेल्वे), भाई ए. सेल्वराज (लोक निर्माण विभाग), सुसमाचार प्रचारक जयमोहन (शिक्षक) और सुसमाचार प्रचारक एन. जीवनानंदम। उन्होंने मुझे आत्मिक रूप से बढ़ने में मदद की।

Bro. Victor Swamidoss

मुझे पास्टर जी. सुंदरम द्वारा वर्ष १९७२ में बपतिस्मा दिया गया और २६ दिसंबर १९७७ को पादरी एम. के. सुंदरम और दक्षिण अफ्रीका के पादरी रूबेन टिमो की उपस्थिति में उनके द्वारा सेवक के रूप में नियुक्त किया गया।

पादरी जी सुंदरम ने मुझे चर्च सेवाओं में भाग लेने वाले लोगों के जूते और चप्पल की देखभाल करने के लिए पादरी आनंद के साथ काम करने के लिए नियुक्त किया।

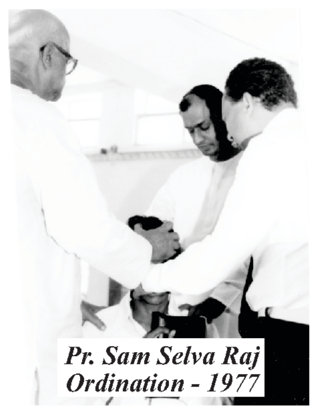

Pr. Sam Selva Raj Ordination - 1977

आम तौर पर चर्च सेवाओं में भाग लेने वाले लोग अपने जूते और चप्पल चर्च के बाहर एक लकड़ी के स्टैंड में छोड़ देते थे और सेवाओं के बाद उन्हें वापस ले लेते थे। हम दोनों को सदस्यों की सुरक्षा और चप्पलों की वापसी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था।

पादरी आनंद एक महान आत्मिक नेता हैं और अब चेन्नई में एपोस्टोलिक चर्च असेंबली, करुणानिधि कलैंगनार नगर नामक एक बड़े चर्च के

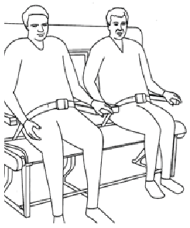

वरिष्ठ पादरी हैं। वह मेरे चर्च में प्रचार करते थे, मेरे चर्च और नहेमायाह बाइबल कॉलेज में लेक्चरर और अतिथि वक्ता के रूप में अपनी सेवाएं देते थे। उन्होंने सेवकाई में कई तरह से मेरी मदद की है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि मैं एक छोटे से चर्च का पादरी था और प्रभु ने मुझे एक बाइबल कह्लेज चलाने के लिए उठाया है जहां मुझ इन महापुरुषों की सेवाएं प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।

Pr S. Anand

जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है कि प्रभु ने विभिन्न भाषाओं में एको ऑफ हिज़ कॉल नामक एक मसीही मासिक पत्रिका चलाने में मेरी मदद की। जैसे ही मुझे परमेश्वर की सेवकाई के लिए नियुक्त किया गया, प्रभु ने मुझे कुछ स्थानीय चर्चों की मदद करने और चेपहृक में एक छोटे से तरीके से एक चर्च शुरू करने में सक्षम बनाया, जो कि चेन्नई शहर में एक अगम्य क्षेत्र माना जाता था। वर्तमान में हमारा मुख्य चर्च उस क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

हालांकि मैंने कड़ी मेहनत की और उत्साहपूर्वक प्रार्थना की, फिर भी मुझे नई आत्माएं नहीं मिलीं। मैं दूसरी कलीसिया के सदस्यों को लुभाने और उन्हें अपनी कलीसिया का सदस्य बनाने के खिलाफ बहुत दृढ़ था। मैं हमेशा “भेड़ चोरी” के खिलाफ हूं। इसलिए, मेरी पत्नी और बेटी पहले पांच वर्षों तक मेरी कलीसिया के सदस्य थे। मैं उन्हें हर रविवार सुबह-शाम अकबर साहिब स्ट्रीट, बड़ी गली और सी.एन. कृष्णास्वामी रोड चेपक, चेन्नई में स्थित कलीसिया प्रचार करता था। इसके अलावा हम सड़क पर प्रचार करने और अस्पतालों में बीमार लोगों से मिलने और गलियों में गरीब लोगों से मिलने में सहभागी थे। हमने परिवार के रूप में अपनी कमाई परमेश्वर की सेवा में खर्च की और इसके कारण हमें कुछ अवसरों पर भुखमरी से गुजरना पड़ा।

चूंकि मुझे अकॉर्डियन (संगीत वाद्ययंत्र) बजाने की आदत थी, इसलिए भवन के मालिकों को हमारा यह कहना पसंद नहीं था कि जब भी मैं अपना वाद्य यंत्र बजाता हूं और प्रभु यीशु मसीह की महिमा गाता हूं, तो उनके देवता सक्रिय नहीं हो पाते हैं। इसलिए घर के मालिकों ने मुझे उस विशेष गैर-ईसाई क्षेत्र में अक्सर अपना निवास और चर्च का स्थान अलग-अलग रास्तों पर बदलने के लिए मजबूर किया।

पृष्ठ 7 से आगे...

करेगा। और यदि तुम मनुष्यों के अपराध क्षमा न करोगे, तो तुम्हारा पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा न करेगा।” “और जब कभी तुम खड़े हुए प्रार्थना करते हो तो यदि तुम्हारे मन में किसी के प्रति कुछ विरोध हो, तो क्षमा करो : इसलिये कि तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हारे अपराध क्षमा करे।” मरकुस ११:२५। साथ ही हमें यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि परमेश्वर हमें इसलिए क्षमा नहीं करता है क्योंकि हम दूसरों को क्षमा करते हैं, बल्कि केवल उसकी महान दया के कारण वह क्षमा करता है। क्षमा न करने की भावना उन छः अवांछित सामानों की ओर ले जाती है जिनके बारे में हमने पहले चर्चा की थी। क्षमा करना और भूलना सीखना सुखमय मसीही जीवन के रहस्यों में से एक है।

चौथा कदम विश्वास के कर्ता और सिद्ध करने वाले यीशु पर ध्यान केंद्रित करना और अपने जीवन की यात्रा को जारी रखना है। पवित्र बाइबल का किंग जेम्स संस्करण हमें प्रोत्साहन देता है। इब्रानियों १२:१ की पुस्तक में हम पढ़ते हैं : **इस कारण जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हम को घेरे हुए है, तो आओ, हर एक रोकनेवाली वस्तु और उलझानेवाले पाप को दूर करके, वह दौड़ जिसमें हमें दौड़ना है धीरज से दौड़ें।** (किंग जेम्स संस्करण)। मैंने जानबूझकर किंग्स जेम्स संस्करण को चुना है क्योंकि केवल इस संस्करण में “वजन” शब्द का इस्तेमाल किया गया है। यदि हम यीशु पर ध्यान केन्द्रित रखते हैं तो हम दौड़ सकते हैं और दौड़ को आसानी से समाप्त कर सकते हैं। दौड़ में भाग लेने वाला खिलाड़ी कम से कम पोशाक पहनेगा। हम किसी खिलाड़ी को पूरा सूट पहनकर दौड़ते हुए नहीं देख सकते। इस तरह की पोशाक उसकी गति में बाधा बनेगी और वह कभी भी समाप्ति रेखा तक नहीं पहुंच पाएगी। इसी प्रकार इब्रानियों की पुस्तक का लेखक भी हमें सलाह देता है कि हम हर एक भार और पाप - कड़वाहट, प्रकोप, क्रोध, कलह, निन्दा और बैरभाव को एक तरफ रख दें, परन्तु दया, करुणा और क्षमा करने की मनोवृत्ति लेकर दौड़ें। पुराने नियम के नायकों के अलावा हमारे पास अनुकरण करने के लिए आधुनिक नायक भी हैं - साधु सुंदर सिंह, जीजेनबल्ग, पंडिता रमाबाई, विलियम केरी, बिशप वी.एस. अजर्याह और ग्राहम स्टेन्स जिन्होंने दौड़ को अच्छी तरह से पूरा किया, हमारी मातृभूमि में सेवा की और हम भारतीयों के लिए मर गए।

हमने २०२३ नए साल के संकल्पों के साथ शुरुआत की। आइए हम इन अपंग करने वाले बोझों को दूर करने पर विचार करें और विजयी रूप से मसीही यात्रा को पूरा करें और अंत में पौलुस के साथ साहसपूर्वक घोषणा करें : “मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूं,” और “मेरे लिये धर्म का वह मुकुट रखा हुआ है, जिसे प्रभु, जो धर्मी और न्यायी है, मुझे उस दिन देगा, और मुझे ही नहीं वरन् उन सब को भी जो उसके प्रगट होने को प्रिय जानते हैं। (एनआईवी) २ तीमुथियुस :रू७, ८।

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

इन नए साल के संकल्पों पर विचार करें, प्रार्थना करें, उन्हें अपने जीवन में अपनाएं और कम सामान के साथ आगे बढ़ें। आप सभी को नववर्ष २०२३ की हार्दिक शुभकामनाएं। परमेश्वर आपको आशीष दे।

****

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- **आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-**

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :
ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th JANUARY, 2023
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**